दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा प्लाटों की ऊंची दरों पर बिक्री

6413. श्री राम सागर : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा इतनी ऊंची दरों पर प्लाटों की नीलामी आम जनता को मकान उपलब्ध कराने की नीति के अनुकूल है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने गत तीन वर्षों में केवल पूंजीपतियों को ही प्लाट बेचे है;

(ग) यदि नही, तो गत तीन वर्षों मे प्रतिमीटर अधिकतम, न्यूनतम और औसत विक्रय मूल्य क्या रहा; और

(घ) क्या सरकार की दृष्टि से यह मूल्य आम आदमी की क्रय शक्ति के अनुपात मे है?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (घ). भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसार इस क्षेत्र में 200 वर्गगज से अधिक के भू-खण्डों को सामान्यतया सार्वजनिक नीलामी द्वारा बेचा जाता है । आम आदमी के लिए 200 वर्गगज से कम के छोटे छोटे भूखण्ड पूर्व निर्धारित दरों पर दिए जाते है जो नीलाम की दरों से कहीं अधिक कम हैं ।

(ख) जी, नही ।

(ग) एक विवरण संलग्न है ।

विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान नीलाम किए गए कुल क्षेत्र के लिए औसतन दर-उच्चतम दर और निम्नतर दरो का विवरण ।

	1976–77	1977–78	1978–79
1. नीलाम किए गए भू-खण्डों की कुल संख्या	206	223	515
2. नीलाम किए गए भूखण्डों का कुल क्षेत्र (वर्गमीटरो में)	43967.888	58026.883	125153.69
	रुपये	रुपये	रुपये
3. प्राप्त कुल राशि	10931700	13427300	30575700
4. वर्ष के दौरान प्राप्त उच्चतम दर प्रति वर्गमीटर	505.61	658.79	1113.10
5. वर्ष के दौरान प्राप्त निम्नतर प्रति वर्गमीटर	103 59	109.72	92.59
6. वर्ष के दौरान प्राप्त औसतन दर प्रति वर्गमीटर	248 63	231.40	244.31

Discriminatory Policy by D.D.A. towards Lawrence Road Welfare Federation

6614. SHRI M. ARUNACHALAM: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether the Lawrence Road Welfare Federation have protested to the Delhi Development Authority for not allowing them to hold the Gandhi Jayanti celebration on the 2nd October, 1978 in the Community Hall of Lawrence Road residential complex;

(b) whether it is a fact that R.S.S. and various allied organisations were allowed to use the Community Hall on various occasions and that no charges were recovered from them;